सीएसए का 'आजाद' जौ ऊसर को बनाएगा उपजाऊ

- जलवायु अनुकूल व बीमारीरोधी है जौ की नई प्रजाति आजाद-34
- 67 लाख हेक्टेयर ऊसर को उपजाऊ बनाने में मिलेगी मदद

जागरण संवाददाता, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद (सीएसए) कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विज्ञानियों ने देश की 67 लाख हेक्टेयर ऊसर जमीन को उपजाऊ बनाने का रास्ता तलाश लिया है। विश्वविद्यालय ने जौ की खेती के लिए जलवायु अनुकूल नई प्रजाति आजाद-34 विकसित की है जिसे ऊसर में उगाया जा सकता है। केंद्र सरकार की केंद्रीय प्रजाति विमोचन समिति ने सोमवार को इसे पूरे देश में बोए जाने के लिए जारी कर दिया है। इस प्रजाति से जौ का ऊसर भूमि में प्रति हेक्टेयर उत्पादन 38 क्विंटल मिलता है। उसमें झुलसा रोग भी नहीं लगता है।

सीएसए के गेहूं एवं जौ अभिजनक डा. विजय कुमार ने बताया कि जौ की नई प्रजाति केबी 2031 (आजाद जौ 34) को विश्वविद्यालय के विज्ञानियों की टीम ने करीब एक दशक के अनुसंधान के बाद तैयार किया है। अभी जौ की प्रजातियों से प्रति हेक्टेयर 34.13 क्विंटल का उत्पादन मिल रहा है। जौ की खेती गेहूं के साथ रबी के सीजन में होती है।

इसकी खेती में सिंचाई एवं खाद का न्यूनतम प्रयोग होता है। केन्द्रीय प्रजाति विमोचन समिति के उपमहानिदेशक फसल विज्ञान डा. टीआर शर्मा की अध्यक्षता में केंद्रीय समिति ने आजाद जौ 34 को पूरे देश में बोआई के लिए उपयुक्त पाया है।

ऊसर भूमि वाले किसानों को होगा लाभ : डा. यादव ने बताया कि अभी देश में 6.28 लाख क्षेत्रफल पर 30.4 क्विंटल की उत्पादकता के साथ 19.2 लाख मीट्रिक टन जौ का उत्पादन हो रहा है। उप्र में 1.70 लाख हेक्टेयर में 5.82 मीट्रिक टन जौ उगाई जा रही है। प्रदेश में इसकी उत्पादकता 34.13 हेक्टेयर है। जौ में बीटा ग्लुकान 6-8 प्रतिशत और ग्लाइसिमिक इंडेक्स 25-28 प्रतिशत है जबकि गेहूं का ग्लाइसिमिक इंडेक्स 55-60 प्रतिशत है।

किसी भी आहार में ग्लाइसिमिक इंडेक्स जितना कम होगा, मधुमेह जैसे रोगों का खतरा उतना ही कम होगा। आजाद जौ 34 की फसल 134 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इसमें प्रोटीन 12.15 प्रतिशत है। जौ में इन दिनों झुलसा बीमारी का प्रकोप बढ़ रहा है, यह प्रजाति इससे मुक्त है।

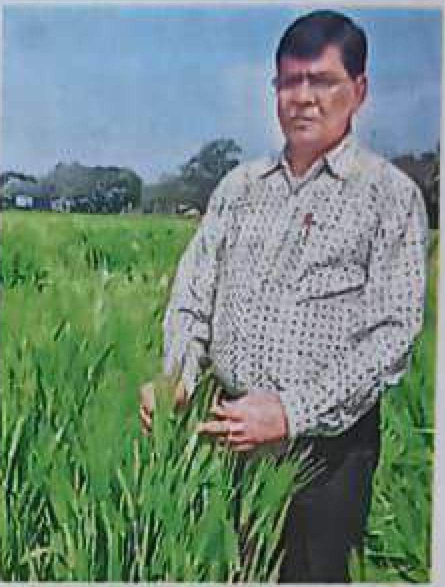

जौ की नई प्रजाति आजाद 34 के साथ डा. विजय कुमार यादव • सौजन्य

> आजाद जौ 34 प्रजाति के विकास से उत्तर प्रदेश एवं हरियाणा के किसानों को विशेष लाभ मिलेगा। यह प्रजाति सभी रोगों के प्रति अवरोधी होने के साथ-साथ लवणीय एवं क्षारीय भूमि में औसत 38 कुन्टल प्रति हेक्टेयर उत्पादन देने की क्षमता रखती है। जलवायु अनुकूल और रोग मुक्त होने की वजह से भी यह किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी है।
>
> – डा. आनंद कुमार सिंह कुलपति

र'
.18
ब
को देने की
लाख रुपये
वेलफेयर
ा है। इसी
चलित हो
अधिवक्ता
में मामला
र रहे हैं।
बताया कि
ने दिए हैं,
ठगी तो हुई
विषयों को
की अग्रिम
दि जमानत
र खारिज
ौर उसकी
ा अनुराग
सी कोर्ट में
प्रार्थना पत्र
था।

नाम का
ा, जिसमें
थेरेपी से
साथ ही
लगने पर,
इमर समेत
र करने का
ित राजीव
ई की है।

से

पुलिस ने
आरोपितों
से फायर
ंग में दोनो
व निवासी
में गोली
ी समेत

आजाद जौ-34 देगी बंजर भूमि में भी अच्छी पैदावार

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। कानपुर की नई प्रजाति आजाद जौ-34 उत्तर प्रदेश और हरियाणा समेत पूरे उत्तर भारत के किसानों के लिए वरदान साबित होगी। यह प्रजाति बंजर भूमि में भी सर्वाधिक पैदावार देगी। साथ ही, इसमें प्रोटीन की मात्रा सर्वाधिक है। यह प्रजाति ब्लॉच स्पॉट रोग से मुक्त है। जबकि प्रदेश में जौ की अन्य प्रजातियां इस बीमारी से ग्रसित हैं। इस विशेष प्रजाति को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार यादव व उनकी टीम ने दो वर्ष की शोध के बाद विकसित किया है। इस प्रजाति को केंद्रीय प्रजाति विमोचन समिति ने सात अक्तूबर को रिलीज कर दिया है।

डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि बंजर खेत के लिए यह प्रजाति वरदान है, क्योंकि इसमें 39 कुंतल प्रति हेक्टेयर पैदावार है जबकि अब तक जौ की उत्कृष्ट प्रजाति की पैदावार 27 कुंतल प्रति हेक्टेयर था। वहीं, अब तक उन्नत प्रजाति में 11 फीसदी तक प्रोटीन मिलता था जबकि इस नई प्रजाति में 12.15 फीसदी प्रोटीन की मात्रा है।

जौ की फसल के साथ डॉ. विजय यादव।

प्रमुख तथ्य

- जौ की नई प्रजाति का नाम : आजाद जौ-34
- फसल की पैदावार : 39 कुंतल प्रति हेक्टेयर
- फसल तैयार होने का समय : 134 दिन
- प्रोटीन की मात्रा : 12.15 फीसदी
- उपयुक्त क्षेत्र : उत्तर प्रदेश व हरियाणा

इन वैज्ञानिकों ने की रिसर्च

डॉ. विजय कुमार यादव की देखरेख में डॉ. पीके गुप्ता, डॉ. सोमवीर, डॉ. पीके सिंह, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ.जावेद बाहर, डॉ. चारुल कंचन संग तकनीकी सहायक राजेश कुमार, पंकज कुमार।

तेज बारिश

डॉ. विजय ने बत
है। तेज बारिश व
किसानों का नुक
फीसदी, गलाईरि
वर्तमान में देश मे
उत्पादकता के स
जबकि, प्रदेश में
प्रति हेक्टेयर के

विवि
लिए
जौ-34 विवि व
प्रजाति विमोचन
से यह प्रजाति
यूपी के लिए ख
प्रजाति मुक्त है

दैनिक जागरण 09/10/2024

अब ऊसर पर भी होगी जौ फार्मिंग

डॉ. विजय कुमार यादव ने डेवलप की नई वैरायटी

KANPUR (8 Oct): सीएसए के साइंटिस्ट ने जौ की जलवायु अनुकूल और बीमारी अवरोधी नई वैरायटी को डेवलप किया है. जौ के ब्रीडर और सीएसए के डायरेक्टर सीड एंड फार्म डा. विजय कुमार यादव ने वैरायटी को डेवलप किया है. इस प्रजाति का नाम आजाद जौ 34 (केबी 2031) है. केंद्रीय प्रजाति विमोचन समिति ने रिलीज के लिए संस्तुति कर दी है. डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि यह प्रजाति भूमियों के लिए सहनशील है. इसके आने से उसर भूमियों में जौ के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा. यह प्रजाति 134 दिनों में पककर तैयार हो जाती है. इसके दाने सुडौल हैं. इसमें 12.15 प्रतिशत प्रोटीन की मात्रा पाई जाती है. इतना ही नहीं यह प्रजाति ब्लॉन्च स्पॉट बीमारी के प्रति सहनशील है. लवण और क्षारीय भूमियों में 38 कुंतल प्रति हेक्टेयर उत्पादन देने की क्षमता रखती है.

इन्होंने डेवलप की वैरायटी

वैरायटी को डेवलप करने वाली टीम में डॉक्टर विजय कुमार यादव, डॉक्टर पीके गुप्ता, डॉक्टर सोमवीर, डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर जितेंद्र कुमार, डॉक्टर जावेद बाहर, डॉक्टर चारुल कंचन के साथ ही तकनीकी सहायक राजेश कुमार, पंकज कुमार का विशेष योगदान रहा है. सीएसए के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि वीसी डॉ आनंद कुमार सिंह ने जौ की नई वैरायटी डेवलप करने वाली टीम को बधाइयां दी है.

IMPACT FEATURE

अमर उजाला 09/10/2024

सीएसए ने विकसित की जौ की रोग मुक्त नई प्रजाति

अन्य प्रजातियों से 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होगा अधिक उत्पादन

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि ने जौ की नई प्रजाति आजाद जौ-34 विकसित की है। प्रोटीन से भरपूर यह प्रजाति बंजर भूमि में भी सर्वाधिक पैदावार देने वाली है। इस विशेष प्रजाति को सीएसए के वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार यादव व उनकी टीम ने विकसित किया है। इसे केंद्रीय प्रजाति विमोचन समिति ने सात अक्तूबर की देर शाम रिलीज भी कर दिया है। विशेष बात यह है कि जौ की अन्य प्रजातियां जहां ब्लॉच स्पॉट से ग्रसित रहती हैं, वहीं यह प्रजाति इन रोगों से मुक्त होगी।

जौ की नई प्रजाति आजाद जौ-34 उत्तर प्रदेश और हरियाणा समेत पूरे उत्तर भारत के किसानों के लिए वरदान साबित होगी। डॉ. विजय कुमार यादव की देखरेख में डॉ. पीके गुप्ता, डॉ. सोमवीर, डॉ. पीके सिंह, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. जावेद बाहर, डॉ. चारुल कंचन के साथ तकनीकी सहायक राजेश कुमार, पंकज कुमार ने इसकी खोज की है।

विवि के वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि सिंचाई से परेशान किसानों के लिए यह प्रजाति वरदान साबित होगी। इसका उत्पादन 39 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है जबकि अब तक जौ की उत्कृष्ट प्रजाति का उत्पादन 27 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। वहीं, अब तक उन्नत प्रजाति में 11 फीसदी तक प्रोटीन मिलता था जबकि इस नई प्रजाति में 12.15 फीसदी प्रोटीन की मात्रा है। यह प्रजाति 134 दिन में तैयार हो जाती है।

" विवि के लिए यह गर्व का विषय है। वैज्ञानिक देश की तरक्की में अपना योगदान दे रहे हैं। आजाद जौ-34 सीएसए में जौ की 34वीं प्रजाति है। इसे केंद्रीय प्रजाति विमोचन समिति ने जारी कर दिया है। अगले साल से यह प्रजाति किसानों के लिए उपलब्ध रहेगी। - डॉ. आनंद कुमार सिंह, कुलपति, सीएसए विवि

तेज हवा व बारिश में भी नहीं गिरेगी फसल

डॉ. विजय यादव ने बताया कि आजाद जौ-34 प्रजाति तेज हवा व बारिश में भी नहीं गिरेगी। इसमें बीटा ग्लूकान 6 से 8 फीसदी, ग्लाइसेमिक इंडेक्स 25 से 28 फीसदी पाया जाता है। वर्तमान में देश में 6.28 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल पर 30.4 क्विंटल उत्पादकता के साथ 19.2 लाख मीट्रिक टन जौ उत्पादन हो रहा है। जबकि प्रदेश में 1.70 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में 34.14 क्विंटल प्रति हेक्टेयर के हिसाब से 5.82 मीट्रिक टन जौ उत्पादन किया जा रहा है।

जलवायु अनुकूलन एवं बीमारी अवरोधी जौ की नवीन प्रजाति विकसित

कानपुर, 8 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के जौ अभिजनक/ निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डा.विजय कुमार यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जौ की नवीन प्रजाति आजाद जौ 34 (के बी 2031) विकसित की गई है। इस जलवायु अनुकूलन एवं बीमारी अवरोधी जौ की प्रजाति को दिनांक 7 अक्टूबर 2024 को केंद्रीय प्रजाति विमोचन समिति ने रिलीज हेतु संस्तुति कर दिया है। डॉक्टर यादव ने बताया कि इस समय देश में 6.28 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल पर 30.4 कुंतल उत्पादकता के साथ 19.2 लाख मैट्रिक टन उत्पादन हो रहा है जबकि प्रदेश में 1.70 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में 5.82 मेट्रिक टन उत्पादन किया जा रहा है इसकी उत्पादकता 34.13 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि यह प्रजाति उसर भूमियों हेतु सहिष्णु है तथा उसर भूमियों में जौ के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह प्रजाति 134 दिनों में पककर तैयार हो जाती है जिसके दाने सुडौल तथा 12.15त्न प्रोटीन की मात्रा पाई जाती है। यह प्रजाति ब्लॉन्च स्पॉट बीमारी के प्रति सहिष्णु है तथा लवण एवं क्षारीय भूमियों में 38 कुंतल प्रति हेक्टेयर उत्पादन देने की क्षमता रखती है। इस प्रजाति को विकसित करने वाली टीम में डॉक्टर विजय कुमार यादव, डॉक्टर पीके गुप्ता, डॉक्टर सोमवीर, डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर जितेंद्र कुमार, डॉक्टर जावेद बाहर, डॉक्टर चारुल कंचन के साथ ही तकनीकी सहायक राजेश कुमार,पंकज कुमार का विशेष योगदान रहा है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने जौ की नवीन प्रजाति को विकसित करने वाली टीम को बधाइयां दी है, साथ ही आशा व्यक्त की है कि जलवायु अनुकूलन इस प्रजाति के विकास से जौ उत्पादन में आशातीत वृद्धि होगी।

वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार यादव।

जौ के उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 100 कानपुर, बुधवार 09 अक्टूबर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कुलपति ने जौ की नवीन प्रजाति को विकसित करने वाली टीम को दी बधाई

कानपुर । सीएसए के जौ अभिजनक/ निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डा.विजय कुमार यादव ने बताया कि

विश्वविद्यालय द्वारा जौ की नवीन प्रजाति आजाद जौ 34 (के बी 2031) विकसित की गई है। इस जलवायु अनुकूलन एवं बीमारी अवरोधी जौ की प्रजाति को 7 अक्टूबर को केंद्रीय प्रजाति विमोचन समिति ने रिलीज हेतु संस्तुति कर दिया है। डॉक्टर यादव ने बताया कि इस समय देश में 6.28 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल पर 30.4 कुंतल उत्पादकता के साथ 19.2 लाख मैट्रिक टन उत्पादन हो रहा है जबकि प्रदेश में 1.70 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में 5.82 मैट्रिक टन उत्पादन किया जा रहा है इसकी उत्पादकता 34.13 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि यह प्रजाति ऊसर भूमियों हेतु सहिष्णु है तथा ऊसर भूमियों में जौ के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह प्रजाति 134 दिनों में पककर तैयार हो जाती है जिसके दाने सुडौल तथा 12.15% प्रोटीन की मात्रा पाई जाती है। यह प्रजाति ब्लॉन्च स्पॉट बीमारी के प्रति सहिष्णु है तथा लवण एवं क्षारीय भूमियों में 38 कुंतल प्रति हेक्टेयर उत्पादन देने की क्षमता रखती है। इस प्रजाति को विकसित करने वाली टीम में डॉक्टर विजय कुमार यादव, डॉक्टर पीके गुप्ता, डॉक्टर सोमवीर, डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर जितेंद्र कुमार, डॉक्टर जावेद बाहर, डॉक्टर चारुल कंचन के साथ ही तकनीकी सहायक राजेश कुमार,पंकज कुमार का विशेष योगदान रहा है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने जौ की नवीन प्रजाति को विकसित करने वाली टीम को बधाइयां दी हैं, साथ ही आशा व्यक्त की है कि जलवायु अनुकूलन इस प्रजाति के विकास से जौ उत्पादन में आशातीत वृद्धि होगी।

मौसम
अधिकतम तापमान 33 .c
27 .c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 73.840g
चांदी 87.900 kg
सेंसेक्स 81,053.19

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज
04 जनगणना पर सख्त, अनावश्यक विलंब पर देना होगा ध्यान
वर्ष :10 अंक :244 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ ,बुधवार 09 अक्टूबर 2024 पृष्ठ : 08

कुलपति ने जौ की नवीन प्रजाति को विकसित करने वाली टीम को दी बधाई

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। सीएसए के जौ अभिजनक/ निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डा.विजय कुमार यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जौ की नवीन प्रजाति आजाद जौ 34 (के बी 2031) विकसित की गई है। इस जलवायु अनुकूलन एवं बीमारी अवरोधी जौ की प्रजाति को 7 अक्टूबर को केंद्रीय प्रजाति विमोचन समिति ने रिलीज हेतु संस्तुति कर दिया है। डॉक्टर यादव ने बताया कि इस समय देश में 6.28 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल पर 30.4 कुंतल उत्पादकता के साथ 19.2 लाख मैट्रिक टन उत्पादन हो रहा है जबकि प्रदेश में 1.70 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में 5.82 मेट्रिक टन उत्पादन किया जा रहा है इसकी उत्पादकता 34.13 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि यह प्रजाति उसर भूमियों हेतु सहिष्णु है तथा उसर भूमियों में जौ के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।यह प्रजाति 134 दिनों में पककर तैयार हो जाती है जिसके दाने सुडौल तथा 12.15% प्रोटीन की मात्रा पाई जाती है। यह प्रजाति ब्लॉन्च स्पॉट बीमारी के प्रति

सहिष्णु है तथा लवण एवं क्षारीय भूमियों में 38 कुंतल प्रति हेक्टेयर उत्पादन देने की क्षमता रखती है। इस प्रजाति को विकसित करने वाली टीम में डॉक्टर विजय कुमार यादव, डॉक्टर पीके गुप्ता, डॉक्टर सोमवीर, डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर जितेंद्र कुमार, डॉक्टर जावेद बाहर, डॉक्टर चारुल कंचन के साथ ही तकनीकी सहायक राजेश कुमार, पंकज कुमार का विशेष योगदान रहा है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने जौ की नवीन प्रजाति को विकसित करने वाली टीम को बधाइयां दी है, साथ ही आशा व्यक्त की है कि जलवायु अनुकूलन इस प्रजाति के विकास से जौ उत्पादन में आशातीत वृद्धि होगी।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-281 बुधवार, 09 अक्टूबर 2024 लखनऊ व एटा से प्रकाशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

सीएसए ने रचा इतिहास,विकसित की जौ की जलवायु अनुकूलन एवं बीमारी अवरोधी नवीन प्रजाति

अनवर अशरफ

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के जौ अभिजनक/ निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डा.विजय कुमार यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जौ की नवीन प्रजाति आजाद जौ 34 (के बी 2031) विकसित की गई है। इस जलवायु अनुकूलन एवं बीमारी अवरोधी जौ की प्रजाति को दिनांक 7 अक्टूबर 2024 को केंद्रीय प्रजाति विमोचन समिति ने रिलीज हेतु संस्तुति कर दिया है। डॉक्टर यादव ने बताया कि इस समय देश में 6.28 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल पर 30.4 कुंतल उत्पादकता के साथ 19.2 लाख मैट्रिक टन उत्पादन हो रहा है जबकि प्रदेश में 1.70 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में 5.82 मेट्रिक टन उत्पादन किया जा रहा है इसकी उत्पादकता 34.13 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि यह प्रजाति उसर भूमियों हेतु सहिष्णु है तथा उसर भूमियों में जौ के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह प्रजाति 134 दिनों में पककर तैयार हो जाती है जिसके दाने सुडौल तथा 12.15त्र प्रोटीन की मात्रा पाई जाती है। यह प्रजाति ब्लॉन्च स्पॉट बीमारी के प्रति सहिष्णु है तथा लवण एवं क्षारीय भूमियों में 38 कुंतल प्रति हेक्टेयर उत्पादन देने की क्षमता रखती है। इस प्रजाति को विकसित करने वाली टीम में डॉक्टर विजय कुमार यादव, डॉक्टर पीके गुप्ता, डॉक्टर सोमवीर, डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर जितेंद्र कुमार, डॉक्टर जावेद बाहर, डॉक्टर चारुल कंचन के साथ ही तकनीकी सहायक राजेश कुमार,पंकज कुमार का विशेष योगदान रहा है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने जौ की नवीन प्रजाति को विकसित करने वाली टीम को बधाइयां दी है, साथ ही आशा व्यक्त की है कि जलवायु अनुकूलन इस प्रजाति के विकास से जौ उत्पादन में आशातीत वृद्धि होगी।

दैनिक
आज का कानपुर
कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मेरठ, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

सीएसए ने रचा इतिहास,विकसित की जौ की जलवायु अनुकूलन एवं बीमारी अवरोधी नवीन प्रजाति

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के जौ अभिजनक/ निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डा.विजय कुमार यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जौ की नवीन प्रजाति आजाद जौ 34 (के बी 2031) विकसित की गई है। इस जलवायु अनुकूलन एवं बीमारी अवरोधी जौ की प्रजाति को दिनांक 7 अक्टूबर 2024 को केंद्रीय प्रजाति विमोचन समिति ने रिलीज हेतु संस्तुति कर दिया है। डॉक्टर यादव ने बताया कि इस समय देश में 6.28 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल पर 30.4 कुंतल उत्पादकता के साथ 19.2 लाख मैट्रिक टन उत्पादन हो रहा है जबकि प्रदेश में 1.70 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में 5.82 मेट्रिक टन उत्पादन किया जा रहा है इसकी उत्पादकता 34.13 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि यह प्रजाति उसर भूमियों हेतु सहिष्णु है तथा उसर भूमियों में जौ के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह प्रजाति 134 दिनों में पककर तैयार हो जाती है जिसके दाने सुडौल तथा 12.15% प्रोटीन की मात्रा पाई जाती है। यह प्रजाति ब्लॉन्च स्पॉट बीमारी के प्रति सहिष्णु है तथा लवण एवं क्षारीय भूमियों में 38 कुंतल प्रति हेक्टेयर उत्पादन देने की क्षमता रखती है। इस प्रजाति को विकसित करने वाली टीम में डॉक्टर विजय कुमार यादव, डॉक्टर पीके गुप्ता, डॉक्टर सोमवीर, डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर जितेंद्र कुमार, डॉक्टर जावेद बाहर, डॉक्टर चारुल कंचन के साथ ही तकनीकी सहायक राजेश कुमार,पंकज कुमार का विशेष योगदान रहा है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने जौ की नवीन प्रजाति को विकसित करने वाली टीम को बधाइयां दी है, साथ ही आशा व्यक्त की है कि जलवायु अनुकूलन इस प्रजाति के विकास से जौ उत्पादन में आशातीत वृद्धि होगी।